



धमाका डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 99,735	Silver 97,000	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में जल क्रांति : सिंचाई का रकबा बढ़ने के साथ ग्रामीणों की बढ़ेगी आय

प्रदेश में पहली बार एआई, सिपरी और प्लानर सॉफ्टवेयर जैसी तकनीक का उपयोग

2334.55 करोड़ रुपये की लागत से मनरेगा से हो रहा जल संरचनाओं का निर्माण कार्य

भोपाल 24 जून (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं को मजबूती देने के साथ ही प्रकृति, पर्यावरण, जल संरक्षण की दिशा में देश भर में चलाए जा रहे अभियान को मध्यप्रदेश सरकार मिशन के रूप में चला रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में जल क्रांति हो रही है। इस क्रांति के अंतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रदेश में निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा खेत तालाब, अमृत सरोवर, डगवेल रिचार्ज बनाए जा रहे हैं। इन कार्यों से प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ेगा, साथ ही भू-जल स्तर में भी सुधार होगा और ग्रामीण आजीविका को भी बढ़ावा मिलेगा।

मनरेगा परिषद द्वारा जनवरी-फरवरी माह में ही शुरू कर दी गई थी तैयारी, प्लानर सॉफ्टवेयर से बनाई कार्ययोजना - बारिश के पानी का संचयन बड़े स्तर पर किया जा सके, इसके लिए मनरेगा परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू होने के तीन माह पहले जनवरी से ही तैयारी प्रारंभ कर दी गई थी। इसके लिए परिषद द्वारा प्लानर सॉफ्टवेयर तैयार कराया गया जिसमें कम से कम प्रविष्टि करने हुए ग्राम पंचायत स्तर पर योजना को अंतिम रूप दिया जा सके। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत लिए जाने वाले नवीन कार्यों को इस प्लान में शामिल किया गया। इसके अलावा पिछले वर्ष के प्रगतिरत कार्यों को पूरा करने के लिए

उन कार्यों को भी कार्ययोजना में जोड़ा गया गया। प्लानर सॉफ्टवेयर का मुख्य उद्देश्य था मनरेगा के उद्देश्यों एवं प्रावधानों का पालन कराते हुए कार्ययोजना को आसान तरीके से बनाया जाना । परिषद द्वारा साफ्टवेयर के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर कराए जाने वाले कार्यों की वार्षिक कार्ययोजना तैयार कराई। खास बात यह रही कि मध्यप्रदेश इस तरह का नवाचार करने वाला देश का पहला राज्य भी है।

सिपरी सॉफ्टवेयर से किया स्थल का चयन - तकनीक के साथ बारिश के पानी को संचय किया जा सके, साथ ही नई जल संरचनाओं के निर्माण के लिए स्थल चयन में भी आसानी हो, इसके लिए मनरेगा

परिषद द्वारा सिपरी सॉफ्टवेयर बनाया गया।

यह सॉफ्टवेयर (सॉफ्टवेयर फॉर आइडेंटिफिकेशन एंड प्लानिंग ऑफ रूरल इन्फ्रास्ट्रक्चर) एक उन्त तकनीक का साफ्टवेयर है, जिसे महात्मा गांधी नरेगा, मध्यप्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद, भोपाल द्वारा MPSEDC और इसरो के सहयोग से तैयार कराया गया है। इस साफ्टवेयर का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण के लिए उपयुक्त स्थलों की सटीक पहचान कर गुणवत्तापूर्ण संरचनाओं का निर्माण सुनिश्चित करना है। इसके अलावा यह भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित वैज्ञानिक पद्धतियों से जल संरचना स्थलों के चयन को अधिक सटीक बनाता है। सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रदेश

में बड़ी संख्या में नई जल संरचनाओं जैसे खेत तालाब, अमृत सरोवर और डगवेल रिचार्ज के निर्माण के लिए स्थल का चयन किया गया। प्रदेश में किए गए इस तरह के प्रयोग को देखने के लिए बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र से अधिकारियों का दल भी आ चुका है।

पारदर्शिता व नियमित मॉनिटरिंग के लिए बनाया गया डैशबोर्ड - जल गंगा संवर्धन अभियान में मनरेगा योजना के तहत होने वाले कार्यों की पारदर्शिता बनी रहे। साथ ही नियमित तौर पर इसकी मॉनिटरिंग भी की जा सके, इसके लिए परिषद द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान का डैशबोर्ड बनाया गया।

शेष पेज नं. 4 पर...

नियमों की नकेल! अब बिना किसी कारण के अस्पताल से नहीं जा सकेंगे डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी

भोपाल 24 जून (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए अब सरकार ने सख्ती शुरू कर दी है। राजधानी भोपाल सहित पूरे प्रदेश के अस्पतालों में सार्थक एप के जरिए ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना अब अनिवार्य कर दिया गया है।

हाल ही में बैरासिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के एक शिशु रोग विशेषज्ञ ड्यूटी के समय निजी अस्पताल में कार्य करते पाए गए थे। इसके बाद सीएमएचओ भोपाल मनीष शर्मा ने उन्हें नोटिस जारी किया और अब व्यापक स्तर पर कार्रवाई की तैयारी है।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष राजधानी में सार्थक एप पर

अटेंडेंस सिस्टम लागू किया गया था और शिकायतें आने पर इसे प्रदेशभर में मॉडल के तौर पर अपनाया गया। लेकिन अभी भी कई डॉक्टर और कर्मचारी इसका पालन नहीं कर रहे हैं।

स्वास्थ्य कर्मियों के लिए परेशानी - स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि निरीक्षण के दौरान समय पर अस्पताल में मौजूद न रहना, अव्यवस्था और लापरवाही के कई मामले सामने आए, जिससे यह व्यवस्था जरूरी हो गई। हालांकि, कर्मचारी संगठनों ने इस निर्णय का विरोध किया है। इस एप के लागू होने के बाद धरना देकर उन्होंने कहा था कि यह व्यवस्था सिर्फ डाक्टरों पर लागू होनी चाहिए, क्योंकि फील्ड ड्यूटी या तकनीकी कारणों से कर्मचारी लागिन नहीं कर पाते।

नवागत सीएमओ श्रीमती बामनिया ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

अनेक स्थानों पर गंदगी पाई जाने पर जताई नाराजगी, व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए

नीमच 24 जून (निप्र)। नगर पालिका परिषद नीमच की नवागत मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया ने मंगलवार, 24 जून को सुबह प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी दिनेश टांक व स्वच्छता निरीक्षकों के साथ शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया व सफाई व्यवस्था सुधारने तथा कर्मचारियों को ड्यूटी समय में अपने क्षेत्र में नपा आईडी के साथ ड्रेस कोड में रहने के निर्देश दिए।

सीएमओ श्रीमती बामनिया सफाई व्यवस्था निरीक्षण के दौरान मूलचंद मार्ग, ग्रायवेट बस स्टैंड, फव्वारा चौक, फ्रूट मार्केट, सीआरपी रोड, रेलवे स्टेशन तथा बघाना स्थित पेट्रोल पम्प क्षेत्र में



पहुंची। अनेक स्थानों पर कचरों के ढेर व गंदगी पाई जाने पर तीन दिवस में व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए। श्रीमती बामनिया ने मूलचंद मार्ग स्थित कचरा पाइंट के यहां भारी गंदगी पाई जाने पर स्वास्थ्य अधिकारी को समय पर कचरा उठवाने व अन्यत्र स्थानों पर कचरा फेंकने वालों

पर चालानी कार्यवाही हेतु कहा। श्रीमती बामनिया ने फ्रूट मार्केट क्षेत्र में गंदगी पाई जाने पर संबंधित क्षेत्र के दरोगा व कर्मचारियों को फटकार भी लगाई। अनेक स्थानों पर सड़क पर निर्माण सामग्री पाई जाने पर संबंधित को नोटिस प्रदान कर निर्माण सामग्री हटवाने और नहीं हटाई जाने पर चालानी कार्यवाही कर नगरपालिका के माध्यम से सफाई करवाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता निरीक्षक अविनाश चंघट व गोपाल नरवाले भी मौजूद थे।

madan mali 9669999779

rajmal gayri 9926640630

SHREE DEV ENTERPRISES

GSTIN-23AHDP16502G1Z5
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

Station Road, Near Church, Nayagaon-Neemuch

GSTIN-23BSPG06896G1Z5
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

श्रीदेव वेल्डिंग वर्क्स

स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागाँव, जिला-नीमच

मदन माली 9669999779

राजमल गायत्री 9926640630

प्राक्कलन समिति के गौरवशाली 75 वर्ष पूर्ण होने पर महाराष्ट्र विधानसभा में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में सांसद सुधीर गुप्ता ने सहभागिता की



मंदसौर 24 जून (निप्र)। प्राक्कलन समिति के कामकाज की गौरवशाली 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सांसद और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र विधान मंडलों की प्राक्कलन समितियों का दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन मुंबई विधानसभा में आयोजित हुआ। जिसमें क्षेत्रिय सांसद सुधीर गुप्ता ने सहभागिता की।

सम्मेलन में प्राक्कलन समिति के 75 गौरवशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा यह प्लेटिनम जयंती समारोह हमारी

सांसद और देश की सभी विधायी संस्थाओं के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है। यह क्षण न केवल प्राक्कलन समिति की स्वर्णिम विरासत का सम्मान है, बल्कि इसके महत्वपूर्ण योगदान और सुशासन की आधारशिला की रूप में उभरने का समुचित अवसर प्रदान किया। आज जब प्रशासनिक कार्यप्रणाली निरंतर प्रौद्योगिकीय परिवर्तन से गुजर रही है, तब आवश्यक है कि प्राक्कलन समितियाँ भी समयानुकूल नवाचारों को आत्मसात करें।

विवेकपूर्ण उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए एक आवश्यक निकाय के रूप में की गई थी। लोक सभा के प्रथम अध्यक्ष श्री जी.वी. मावलंकर की दूरदृष्टि ने समिति को वित्तीय अनुशासन की संरक्षक और सुशासन की आधारशिला के रूप में उभरने का समुचित अवसर प्रदान किया। आज जब प्रशासनिक कार्यप्रणाली निरंतर प्रौद्योगिकीय परिवर्तन से गुजर रही है, तब आवश्यक है कि प्राक्कलन समितियाँ भी समयानुकूल नवाचारों को आत्मसात करें।

डिजिटल क्रांति, डेटा विश्लेषण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीकों को अपनाकर हम समितियों की जाँच प्रक्रिया को और अधिक सटीक, प्रमाण आधारित एवं प्रभावशाली बना सकते हैं।

सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि इस सम्मेलन में हुए विमर्श से अनेक नये विचार और दृष्टिकोण सामने आएंगे, जो न केवल प्राक्कलन समितियों की क्षमता को सुदृढ़ करेंगे, अपितु भविष्य की चुनौतियों से उभरने में भी सहायक

सिद्ध होंगे। इस अवसर पर एक स्मारिका का भी विमोचन किया।

प्राक्कलन समिति के सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यसभा उपसभापति हरिवंश, विधानसभा अध्यक्ष महाराष्ट्र राहुल नावेंकर, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कैबिनेट मंत्री प्राक्कलन समिति अध्यक्ष संजय जायसवाल, उप मुख्यमंत्री एकनाथ सिन्धे, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार, राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन एवं समिति के सदस्य, सांसद गण उपस्थित रहे।

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

25 जून 2025

वर्ष - 02, अंक - 60 - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

MALWA FIRST

Periodicity- Weekly

खाद्य विभाग ने की कार्यवाही, तीन दुकानों से सार्वजनिक वितरण प्रणाली का खाद्यान्न जप्त

नीमच 24 जून (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में खाद्य विभाग के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी विजय निनामा एवं जितेन्द्र नागर कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने मेसर्स ईश्वरलाल रत्नावत पिता सत्यनारायण रत्नावत निवासी वार्ड क्रं 13, सिनेमा रोड रामपुरा की दुकान से कुल 11.86 क्विंटल सार्वजनिक वितरण प्रणाली का चावल जप्त किया गया है।

खाद्य विभाग ने मेसर्स रामगोपाल पिता सत्यनारायण रत्नावत निवासी रामपुरा की दुकान से कुल 3.40 क्विंटल चावल, मेसर्स देवीलाल राठीर रामलीला मैदान जावद की दुकान से कुल 2.76 क्विंटल सार्वजनिक वितरण प्रणाली का चावल जप्त कर संबंधितों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। नीमच जिले के हितग्राहियों से आग्रह किया है, कि उचित मूल्य दुकान से प्राप्त राशन को बेचे नहीं, राशन का स्वयं उपयोग करें।

जिले में अवैध रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत शासकीय योजना के चावल को क्रय एवं विक्रय करने वालों पर सतत निगरानी रखी जाकर संबंधितों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कड़ी कार्यवाही की जावेगी। यह जानकारी जिला आपूर्ति अधिकारी आर.एन.दिवाकर ने दी है।

12th

के बाद

सफर जोश का मंजिल कामयाबी की

MPPSC, SSC, BANK

रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए

और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इन्कम टैक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये

22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास, भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

ज्ञानोदय

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में

आयुष्मान योजना लागू

5 लाख रूपए

प्रति वर्ष, पात्र परिवार को निःशुल्क उपचार

आयुष्मान भारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों के उपचार निःशुल्क किए जाएंगे -

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंभीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर्स

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, कनावटी, नीमच ८6262778282

आतंकवाद और पाकिस्तान- चीन से दो टूक बात करने का समय आ गया



संतोष कुमार पाटक

पाकिस्तान, अमेरिका और आतंकवाद इन तीनों के आपसी संबंधों की कहानी किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में स्काई न्यूज़ के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बस अमेरिका की भूमिका पर फिर से मुहर लगाने का काम कर दिया था।

भारत और चीन के रिश्तों के लिहाज से यह सप्ताह बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण होने जा रहा है। लेकिन उससे पहले जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद भारत की बहादुर सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बारे में भी बात करना जरूरी है। भारत के सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल 59 नेताओं और पूर्व राजनयिकों ने 33 देशों की यात्रा से वापस लौटने के बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। भारत के इस प्रतिनिधिमंडल ने दुनिया भर में पाकिस्तान को बेनकाब करने की कोशिश की। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि पाकिस्तान और आतंकवाद, एक दूसरे के पर्यायवाची बन चुके हैं। हाल के दिनों में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से लेकर पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी सहित कई नेता यह स्वीकार कर चुके हैं कि पाकिस्तान आतंकवाद को पनाह देता रहा है। अमेरिका की यात्रा पर गए बिलावल भुट्टो जरदारी का एक और बयान काफी चर्चा में है जिसमें आतंकवाद का ठीकरा उन्होंने अमेरिका पर ही फोड़ दिया है। पाकिस्तान, अमेरिका और आतंकवाद इन तीनों के आपसी संबंधों की कहानी किसी से छिपी नहीं है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने हाल ही में स्काई न्यूज के साथ एक इंटरव्यू के दौरान बस अमेरिका की भूमिका पर फिर से मुहर लगाने का काम कर दिया था। ख्वाजा आसिफ के शब्दों पर गौर कीजिएगा। उन्होंने कहा था कि, 'हम करीब तीन दशक से अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों के लिए यह गंदा काम (आतंकवाद का समर्थन) कर रहे हैं'। यह एक गलती थी और हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ी, इसीलिए आप मुझसे यह कह रही हैं। अगर हम सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में और 9/11 के बाद की जंग में शामिल नहीं होते, तो पाकिस्तान का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग होता।'



जहां तक अमेरिका की बात है, वहां के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैए से उसकी पोल लगातार खुल रही है। पाकिस्तान पर एक के बाद एक अमेरिका जिस तरह की मेहरबानी कर रहा है,वह भी पूरी दुनिया देख रही है। लॉस एंजिल्स में जो कुछ हुआ उसके बाद अमेरिकी जनता को भी अहसास होने लगा है कि उन्होंने कितनी बड़ी गलती कर दी है। भारत अमेरिकी संबंधों में मचे घमासान के बीच अब हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता अपने सीमाओं की सुरक्षा और पड़ोसी देशों से बेहतर तालमेल स्थापित करना होना चाहिए। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अब पड़ोसी चीन से दो टूक भाषा में बात करने का समय आ गया है। चीन पाकिस्तान को हर तरह की ना केवल मदद मुहैया करा रहा है बल्कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य देश होने के नाते आतंकवादी संगठनों, आतंकवादियों और पाकिस्तान के लिए ढाल का काम भी कर रहा है। चीन पाकिस्तान के बाद श्रीलंका, म्यामांर , बांग्लादेश और नेपाल के सहारे भी भारत की घेरेबंदी कर रहा है। आखिर भारत इसे कब तक बर्दाश्त कर सकता है ? बताया जा रहा है कि, चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेईडोंग इस सप्ताह भारत की यात्रा पर आ सकते हैं। इस साल दोनों देशों के बीच यह दूसरी उच्चस्तरीय यात्रा होगी। इससे पहले, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी जनवरी में

चीन की यात्रा पर गए थे। वहां सुन और मिसरी ने आपसी रिश्तों को सामान्य करने के लिए कई मुद्दों पर सहमति जताई थी। लेकिन पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जिस तरह से चीन ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। उसके बाद से अब माहौल काफी बदल गया है। भारतीय बाजार के बल पर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाले चीन से अब यह तो पूछा ही जाना चाहिए कि वह पाकिस्तान के रास्ते पर क्यों चलना चाहता है? पाकिस्तान तो आतंकवाद को पालते-पालते एक असफल देश बन चुका है लेकिन चीन जैसे बड़े देश की आखिर क्या मजबूरी है कि उसे आतंकवादियों का साथ देना पड़ रहा है। भारत और चीन के बीच आपस में विवाद है, यह एक कड़वी सच्चाई है लेकिन दुनिया के दो प्रभावशाली और बड़े देश होने के नाते इसे सुलझाने के कई तरीके हो सकते हैं। बातचीत से अगर ये मामले सुलझ जाए तो इससे बेहतर कुछ और नहीं हो सकता लेकिन क्या चीन की सेना इतनी कमजोर हो चुकी है कि अब उसे भी भारत को परेशान करने के लिए पाकिस्तान जैसे नाकाम देश और आतंकवादियों का सहारा लेने की जरूरत पड़ रही है ? वक्त आ गया है कि भारत को अब दो टूक शब्दों में चीन से इन सवालों का जवाब मांगना ही चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं ही यह कह चुके हैं कि आतंकवाद और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते। आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की यह नीति सिर्फ पाकिस्तान के साथ ही नहीं अपनानी चाहिए बल्कि हर उस देश के साथ अपनानी चाहिए जो किसी भी सूरत में आतंकवादियों का बचाव करता है। भारत को यह कठोर संदेश भारत यात्रा पर आने वाले चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेईडोंग के जरिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग तक भेजना ही चाहिए।

संपादकीय

कड़ा जवाब

यूरोप के दौरे पर गए वित्त मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान को चेताया है कि भारत को आतंकवादी हमलों के जरिए उकसाया गया तो हम पाकिस्तान के भीतर जाकर हमला करने में हिचकिचाएंगे नहीं। यूरोपीय संघ के उच्चस्तरीय व्यापार संवादों में भाग लेते हुए उन्होंने ब्रसेल्स में एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्हें संदेश है कि अप्रैल जैसी बर्बर हरकत को जारी रखा गया तो जवाबी कार्रवाई का सामना करना होगा जो आतंकवादी संगठनों व आतंकवादी नेतृत्व के खिलाफ होगी। जयशंकर ने कहा, हमें परवाह नहीं कि वे कहाँ हैं। अगर वे पाकिस्तान के भीतर हैं तो हम पाकिस्तान में अंदर तक जाएंगे। उन्होंने पड़ोसी दुश्मन मुल्क में आतंकियों को दिए जा रहे प्रशिक्षण और उनके भारत में घुसपैठ करने पर कड़ी कार्रवाई की बात भी दोहराई। उन्होंने भारतीय एयर स्ट्राइक से हुई पाकिस्तान को क्षति के आरोपों का भी अपने अंदाज में करारा जवाब दिया। कहा कि सबूत तो वही पर्यर फौलड हैं, जो अब काम नहीं कर रहे। पाकिस्तान की हवाई पट्टियों को नुकसान को गूगल सैटेलाइट से देखने की सलाह भी दे डाली। बेशक, भारत के ऑपरेशन सिंदूर को सारी दुनिया ने देखा जब 6-7 मई की दरमियानी रात

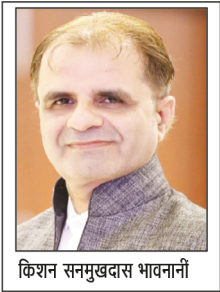


भारतीय सशस्त्र बलों ने दुश्मन देश के भीतर घुस कर पच्चीस मिनट में नौ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था। इनमें से पांच तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में ही थे। जयशंकर ने भारत का रुख स्पष्ट करते हुए विदेशी मीडिया को साफ संकेत दिया कि पाकिस्तानी वायु सेना को भारतीय लड़ाकू विमानों व मिसाइलों ने जबरदस्त क्षति पहुंचाई। अल्पभाषी जयशंकर स्पष्ट और सटीक बात करने में अपने समकालीन राजनेताओं से बिल्कुल भिन्न हैं। जैसा कि उन्होंने विदेशी मीडिया के समक्ष न सिर्फ भारत का रुख स्पष्ट किया बल्कि उन संदेहों को भी साफ किया जो पाकिस्तान जानबूझकर फैला रहा है। दोनों मुल्कों के दरम्यान हुए युद्ध विराम व तमाम आरोपों-प्रत्यारोपों के बावजूद दुनिया की महाशक्तियों के समक्ष भारत सरकार ने नये प्रतिमान गढ़ने का अपना इरादा डके की चोट पर प्रदर्शित ही नहीं किया बल्कि देश की सुरक्षा और अपने नागरिकों की हत्या के खिलाफ की कड़ी कार्रवाई को न्यायोचित ठहराने में कोई कोताही भी नहीं कर रहा है। आतंकवाद समूची दुनिया के लिए जबरदस्त चुनौती है जिसके प्रति कोई भी सहिष्णुता दर्शाने को राजी नहीं है। पाकिस्तान के प्रति सहानुभूति रखने वाले भी इस मुद्दे पर बगले झांके नजर आते हैं।

कटाक्ष/सहीराम

सिंदूर का पेड़

वैसे अभी वन महोत्सव का समय नहीं आया है। फिर भी प्रधानमंत्री जी ने सिंदूर का पौधा लगा दिया है। वैसे ही जैसे बाहर से आने वाले राष्ट्राध्यक्ष या महान हस्तियां राजघाट पर पौधे लगाया करती हैं। उनका कोई समय नहीं होता। लेकिन उन्होंने राजघाट पर नहीं लगाया। उन्होंने तो उसे प्रधानमंत्री निवास में लगाया। उम्मीद की जाती है कि वह खूब फले-फूलेगा। जलकुकड़ कह रहे हैं कि सिंदूर तो उन्होंने पहले भी लगाया था, पर उसकी तो वे देखभाल नहीं कर पाए थे, वह तो नहीं फला-फूला। तो भैया वह सिंदूर था, यह सिंदूर का पेड़ है। लेकिन सिंदूर का पेड़ होता है, यह पहले तो कभी नहीं सुना। पैसों के पेड़ के बारे में तो फिर भी सुना है-चाहे कहावत में ही होता हो-लेकिन सिंदूर के पेड़ के बारे में तो कभी नहीं सुना। तो क्या रगों में दौड़ते सिंदूर के बारे में पहले सुना था? लेकिन प्रधानमंत्री जी की रगों में दौड़ता है न। जिन लोगों ने एंटरप्राइस पॉलिटिकल साइंस की डिग्री के बारे में नहीं सुना, उनसे उम्मीद रखना बेकार है कि उन्होंने सिंदूर के पेड़श के बारे में सुना होगा। खैर जी, सिंदूर का पेड़ लग गया है। अफसोस यही है कि घर-घर सिंदूर अभियान नहीं चल पाया। सच पूछो तो भाजपा वालों ने इससे बड़ी उम्मीद लगा रखी थी। इस अभियान को वापस लिए जाने से वे बड़े निराश हैं। सबसे ज्यादा तो मोहन लाल धाकड़ ही निराश हैं। जी-जी, वही हाईवे वाले। कह रहे थे-कितना अच्छा मौका हाथ से निकल गया। इसके लिए तो हाईवे भी नहीं जाना पड़ता। फिर बलिया वाले बबन सिंह भी बड़े निराश हुए। जी वही, सुंदरी को गोद में बिठाने वाले। बोले-पार्टी को ऐसा नहीं करना चाहिए। हम तो खूब पार्टी करते भैया। मध्य प्रदेश वाले चुबन प्रेमी डॉसर कामल रघुवंशी भी बड़े निराश हुए। गौंदा वाले आमर किशोर कश्यप भी उतने ही निराश थे। बोले, हमें तो किसी के घर जाने की भी जरूरत नहीं थी, हम तो पार्टी ऑफिस में ही यह रस्म निभा देते। मैनुषरी वाले शुभम गुप्ता जी भी बड़े निराश थे। जी वही, जिनके डेढ़ सौ वीडियो वीडिया वायरल हुए बताए गए। बोले-डेढ़ सौ वीडियो की क्या गिनती करते हो जी। हमें मौका मिलता पांच भी कम पड़ते बल्कि सबसे निराश हुए प्रज्जवल रेवन्ना। वही तीन हजार वायरल वीडियो वाले। बोले-भाजपा को हमें भी मौका देना चाहिए था। आखिर, तो हम सहयोगी पार्टी हैं।



किशन सक्मुखदास भावानी

सृष्टि में अनमोल बौद्धिक ज्ञान का धनी मानवीय प्राणी को जन्म से ही परिवार, समाज, मानवीय संपर्कों से व्यवहारिक शिक्षा और ज्ञान मिलना शुरू हो जाता है। याने जैसे जैसे मानुष बाल्य काल से बचपन और फिर युवा होता है, वैसे-वैसे व्यवहारिक ज्ञान शिक्षा के माध्यम से ऑटोमेटिक अली स्वत संज्ञान से उसकी बौद्धिक क्षमता परिपक्व होती जाती है और फिर स्कूल कॉलेज से लेकर अनेक डिग्रियों यानें किताबी ज्ञान पाकर सोने पर सुहागा की कहावत हम पूरी करते हैं। इस तरह हम देखते हैं कि, शिक्षा दो तरह की होती है। एक किताबी शिक्षा और दूसरी व्योहारिक शिक्षा। अगर किताबी शिक्षा के साथ साथ हमको व्याहारिक शिक्षा का ज्ञान नहीं है तो हम शिक्षित होते हुए भी अशिक्षित की श्रेणी में आयेंगे। और अगर हमको शिक्षा के साथ साथ व्योहारिक ज्ञान भी है तो हम शिक्षित लोगो की श्रेणी में आयेंगे। साथियों हम आम तौर पर देखते हैं कि स्थिति बिगड़ती देख अच्छे-अच्छे व्यवहारिक ज्ञान वाले व्यक्ति किताबी ज्ञान वालों को कहते हैं तुम तो पढ़े लिखे हो! हम को क्या समझता है हम तो अनपढ़ हैं, बस!इसी वाक्य में वे अपनी जवाबदारी से पीछा छुड़ाकर किताबी ज्ञान वालों के ऊपर डाल देते हैं और जब स्थिति अपने पक्ष में हो रही तो कहते हैं, देखो मैंने यह किया,फिर तुम्हारी पढ़ाई लिखाई क्या काम की? इसीलिए स्थिति पक्ष में हो या विपक्ष में दोनों स्थितियों में व्यवहारिक ज्ञान के धनी की ही जीत है। इस सामाजिक स्थिति पर व्यंग्य के रूप में हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम व्यवहारिक ज्ञान और किताबी

ज्ञान दोनों की जरूरत की करें तो की करें तो सच तो यह है कि हमें किताबी ज्ञान और व्यावहारिक ज्ञान दोनों की आवश्यकता है। सिर्फ किताबी ज्ञान से हम जीवन में फंस जाएंगे, खासकर तब जब हम कक्षा से बाहर निकलेंगे और सिर्फ व्यावहारिक ज्ञान से हम फंस जाएंगे क्योंकि हम सरल निर्देश नहीं पढ़ पाएंगे या सरल गणितीय समस्याएँ हल नहीं कर पाएँगे। लेकिन मेरा मानना है कि हमें किताबी ज्ञान से ज्यादा व्यावहारिक ज्ञान की जरूरत है, क्योंकि जीवन समस्याओं से भरा है और इन समस्याओं के लिए व्यावहारिक समाधान की जरूरत है, उदाहरण के लिए अगर कोई भविष्य में इंजीनियर बनना चाहता है, तो चाहे वह किताबा भी पढ़े-लिखे, उसे व्यावहारिक ज्ञान नहीं होगा जब तक वह अभ्यास न करे, वह किताबें पढ़कर घर में तार नहीं लगा सकता। व्यावहारिक ज्ञान के जरिए ही थॉमस एडिसन ने कई बार असफल होने के बाद आखिरकार एक लाइट बल्ब का आविष्कार किया था। किताबी ज्ञान सिर्फ सम्भान देता है जबकि व्यावहारिक ज्ञान समाधान को कारगर बनाता है। इसकी तुलना उस व्यक्ति से की जा सकती है जो साल भर नौकरी के लिए प्रार्थना करता है लेकिन आवेदन नहीं करता या नौकरी की तलाश में नहीं जाता। दुनिया को व्यावहारिक ज्ञान की आवश्यकता है क्योंकि यह वह ज्ञान है जो हमें बताएगा कि देश में भूखमरी को कैसे कम किया जाए, सड़क पर दुर्घटनाओं की संख्या को कैसे कम किया जाए, किसी घातक बीमारी को फैलने से कैसे रोका जाए आदि, इसलिए व्यावहारिक ज्ञान का हमारे जीवन में अधिक प्रभाव पड़ता है। साथियों बात अगर हम किताबी ज्ञान की करें तो, परिभाषा के अनुसार जिससे किताबी ज्ञान अर्जित किया हो और स्कूल कॉलेज की परीक्षाओं को पास करके डिग्री हासिल की हो वो शिक्षित है, और जिसे अक्षर जाना हो, वो किताबी अनपढ़।पर क्या शिक्षा का अर्थ सिर्फ केवल किताबी ज्ञान अर्जित करना ही है? एक शिक्षित इंसान के द्वारा फेंका हुआ कचरा,अगर सुबह एक किताबी अशिक्षित इंसान (सफाई कर्मचारी) उठता है।ऐसे में किसे शिक्षित कहना चाहिए सफाई कर्मचारी को या कचरा फेंकने वाले को? आजकल की शिक्षा ऐसे ही रद्दा फिकेसन की शिक्षा होती जा रही है। जहाँ मतलब समझ आए

या ना आए, बस रद्दा मारों और पास हो जाओ। साथियों शायद इसलिये किताबी पढ़े-लिखे अनपढ़ों की संख्या बढ़ती जा रही है।पिछले कुछ दशकों में शिक्षा का स्तर काफी बढ़ गया है पर शिक्षा की वैल्यू खत्म होती जा रही है। ध्यान दे तो याद आता है जहाँ कुछ साल पहले ग्रेजुएशन ही काफी था, आज पोस्ट ग्रेजुएशन,क्या पीएचडी की भी कोई वैल्यू नहीं है। तकनीकी शिक्षा पर जोर है। तकनीकी शिक्षा गलत नहीं है पर सिर्फ तकनीकी शिक्षा से काम नहीं चलेगा। साथियों बात अगर हम किताबी शिक्षित और किताबी अनपढ़ व्यक्तियों की करें तो, बहुत अंतर है। किताबीअनपढ़ आदमी केलकुलेटर चलाना नहीं जानता सारा हिसाब किताब उंगलियों से करना पड़ता है पढ़ा-लिखा आदमी विना केलकुलेटर के चार में से दो घटाने के लिए भी अपनी उंगली नहीं घिसता। किताबी अनपढ़ व्यक्ति के पास अपने अनुभव के अतिरिक्त कुछ नहीं होता जबकि पढ़ा-लिखा व्यक्ति और के अनुभव भी उपयोग में ले आता है। किताबी अनपढ़ व्यक्ति अधिक प्रेक्टिकल होता है शिक्षित व्यक्ति इतनानही होता कहीं बाहर जाने पर पढ़ा-लिखा व्यक्ति आसानी से पता ढूढ लेता है जबकि किताबी अनपढ़ को परेशानी होती है।एक युग था जब समाज में किताबी अनपढ बहुत थे तो उनका कामकाज भी उसी तरह चलता था ।आज किताबी अनपढ़ व्यक्ति को हर तरह की परेशानी उठानी पड़ती है। उसे पढ़े- लिखे लोगों पर आश्रित रहना पड़ता है। साथियों शिक्षित व्यक्ति किसी भी सुनी सुनाई बातों पर जल्दी विश्वास नहीं करता है जब तक वह उन्हे अपनी मन की कसौटी पर खरा नहीं उतार लेता। जबकि एक किताबी अनपढ़ व्यक्ति को कह दो कि तुम्हारा कान कौवा ले गया है तो वह अपने कान को नहीं देखेगा बल्कि कोवे के पीछे भागना शुरू कर देगा। जबकि एक पढ़ा लिखा व्यक्ति पहले अपने शरीर के सभी अंगों को ठीक से चेक करेगा। फिर क्या कहेंगा? बस यही शिक्षित और किताबी अनपढ़ व्यक्ति में अंतर है। किताबी अनपढ लोगों पर व्याहारिक ज्ञान होता है मगर अशिक्षित व्यक्ति वह होते हैं जो व्याहारिक ज्ञान में भी पिछड़े होते हैं। कुछ अपवादों को छोड़कर शिक्षित में संस्कार और लोकाचार का अभाव मिलता है। दोनों शब्द

जल संकट : दिल्ली में हाल है बेहाल



ऐसी झुग्गी-बस्तियां जहां पाइप तो पहुंचा है लेकिन पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं पहुंच पा रहा है, वहां आबादी के अधिकतर हिस्से को पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। अलग-अलग इलाकों में पानी की कीमत अलग-अलग है। देवली की एक गली में टैंकर से दस रुपये में बीस लीटर पानी बिक रहा है। लोगों को पानी भरवा कर खुद ले जाना पड़ता है। लेकिन जो लोग पानी की बोतल घर तक मंगवाते हैं, उन्हें बीस लीटर की बोतल के तीस से चालीस रुपये तक और ब्रांडेड बोतल के लिए तो 90 से 100 रुपये तक चुकाने पड़ते हैं। दिल्ली का जल संकट सिर्फ अनिधकृत कॉलोनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि योजनानुरूप बसाए गए इलाकों तक भी पहुंच गया है। दक्षिण-पश्चिमी दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में डीडीए निर्मित अपार्टमेंट्स का भी कमीबेश यही हाल है। वसंत कुंज इलाके में किराने

की दुकानों का अधिकतर हिस्सा पानी की बोतलों से भरा है। एक दुकानदार के मुताबिक ह्याहाउसिंग सोसायटी के अधिकतर घरों में रोजाना एक बोतल पानी जाता है। कुछ घरों में दो बोतलें भी ली जाती हैं। अधिकतर लोग यहां ब्रांडेड पानी खरीदते हैं। एक बोतल 90-100 रुपये की आती है। नीति आयोग के समक्ष जल प्रबंधन सूचकांक के मुताबिक, दिल्ली भारत का दूसरा सबसे अधिक जल संकटग्रस्त शहर है। यह भी हकीकत है कि दिल्ली पानी की अपनी जरूरतों के लिए पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। दिल्ली को हरियाणा सरकार यमुना नदी से, उत्तर प्रदेश सरकार गंगा नदी से और पंजाब सरकार भाखड़ा नंगल से पानी की सप्लाई करती है। अभी जो 100 करोड़ गैलन यानी करीब 380 करोड़ लीटर पानी रोजाना दिल्ली में सप्लाई होता है, उसका 61 प्रतिशत पानी यमुना नदी, 30 प्रतिशत गंगा नहर और बाकी 9

प्रतिशत भूजल से आता है। बता दें कि दिल्ली में भूजल भी संकट गंभीर है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 2024 में उपयोग किए गए पानी का 100.77% निकाला गया है, जबकि रिचार्ज कम हुआ है। 3.4 मूल्यांकन इकाइयों में से 14 इकाइयां ह्याअत्यधिक दोहितक्षेत्र श्रेणी में हैं, जिससे आने वाले समय में पानी की कमी और बढ़ सकती है। दिल्ली के सभी जिलों में से नई दिल्ली सबसे अधिक शोषित है। उसके बाद शाहदरा, उत्तर, दक्षिण और उत्तर-पूर्व जिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अति शोषित क्षेत्रों में करोल बाग, मयूर विहार, दिल्ली कैंट, चाणक्यपुरी, वसंत विहार, नरेला, यमुना विहार, करावल नगर, विवेक विहार, शाहदरा, महरौली, कापसहेड़ा और राजौरी गार्डन शामिल हैं। वहीं महत्त्वपूर्ण इकाइयों में मध्य दिल्ली में कोतवाली, गाँधी नगर, प्रीत विहार, मांडल टाउन, अलीपुर, सीमापुरी, हीज खास, कालकाजी, डिफेंस कॉलोनी, सरिता विहार, द्वारका, पटेल नगर और पंजाबी बाग शामिल हैं।

सवाल उठता है कि आखिर, किस तरह गंभीर रूप धारण कर चुकी इस समस्या से निजात पाई जाए। दिल्ली जल बोर्ड की बात करें तो उसके सामने कई चुनौतियां हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक सबसे बड़ी चुनौती आपूर्ति के दौरान पानी के नुकसान (वॉटर लैस्ट) की है। जल बोर्ड के अनुमान के मुताबिक चालीस फीसद से अधिक पानी आपूर्ति के दौरान बर्बाद हो जाता है। पाइपलाइनों में लीकेज, अवैध टैपिंगों और पानी की चोरी इसके सबसे बड़े कारण हैं। पानी पर सब्सिडी का असर भी दिल्ली जल बोर्ड की आर्थिक सेहत पर हुआ है और बोर्ड का कर्ज बढ़ता जा रहा है। 2023 के डेटा के मुताबिक, दिल्ली जल बोर्ड पर 73 हजार करोड़ से अधिक का कर्ज है, जो 2018 के बाद से लगभग दोगुना हो गया है।

हेल्थ के साथ पाएं वेल्थ

आम आदमी तो किसी सरकारी हॉस्पिटल की राह देख लेता है, पर अमीर की बात ही कुछ और है, व्यों कि वह हेल्थ इंश्योरेंस के सहारे निजी अस्पतालों में इलाज करा लेता है और उस पर असर नहीं के बराबर पड़ता है।

- ▶ आज भागमभाग की ज़िन्दगी में लोग अपने पुराने आचार-विचार को भूल कर प्रदूषण की दुनिया में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसा कोई घर नहीं है, जहां कोई बीमार ना हो, लेकिन ना तो उनके पास व्यायाम का समय है ना खाने न पीने का। ऐसे में बीमारियों का लगना कौन रोक सकता है।
- ▶ लोगों में प्रतिरोधक-शक्ति का विकास हो और आदमी में बीमारी से लड़ने की शक्ति

जागृत हो तो छोटी-मोटी बीमारियां आदमी के ऊपर अटक नहीं कर पाएंगी।

- ▶ हर रोज नए आयुर्वेदिक नुस्खे बताए जा रहे हैं और उनको मार्केट में डाला जा रहा है।
- ▶ डाबर के उत्पाद बाजार में छापे हैं बैद्यनाथ, झंडू और भी जाने कितने ही आयुर्वेद की कम्पनी जैसे रामदेव, आसाराम, सुदर्शन महाराज, महर्षि आयुर्वेद काम कर रही हैं।

फायदेमंद नुस्खा

शुगर के मरीजों को अक्सर काफी परेशानियों का सामना करना होता है। जरा से कोई बताए कि फलों औषधि फायदेमंद है, वे या उनके परिजन तुरंत ट्राई करने में लग जाते हैं। लेकिन रिस्क

- भी काफी रहती है।
- ▶ आइए जानते हैं एक नुस्खे के बारे में जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।
- ▶ पनीर डोडा नाम की जड़ी-बूटी आपको अल्तार के दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। आधे गिलास पानी में इसके 8-10 फल रात को पानी में भिगो दीजिये। सुबह होते ही इनको मसल के छान लें, अब जो पानी बचा है, उसको सुबह निन्हें मुंह यानी खाली पेट पी लें, एक हफ्ते में आपको लगने लगेगा कि आपका शुगर लेवल काम हो रहा है। यदि आप चाहे तो दो टाइम भी ले सकते हैं, साथ ही सुबह और शाम टहलना जारी रखें।
- ▶ खाना ना पचने वालों के लिए भी एक उपाय है। कौ वह भोजन के दौरान पानी कम पीएं और खाना खाने के बाद दो घंटे बाद कम से कम एक लीटर पानी पीने की आदत डालें।

- ▶ यदि आप चाहते हैं कि आपको पथरी की शिकायत ना हो तो आपको चाहिए की खाना खाने के बाद निश्चित रूप से मूत्र विसर्जन करने की आदत डालें।

एलोविरा

आयुर्वेद की दवाइयां काफी प्रचलित हो रही हैं। आपने एलोविरा का नाम तो सुना ही होगा। यदि एलोविरा का बना कोई भी उत्पाद लें तो उसके लाभकारी परिणाम सामने आएंगे?

हर तरह से है लाभकारी

यदि आप एलोवेरा का प्रयोग शुरू करते हैं तो लाभ निश्चित है। कोई भी इसके फायदे को नकार नहीं सकता है।

- ▶ एलोविरा जेल के उपयोग से बहुत-सी असाध्य बीमारियां ठीक होती हैं।



आयुर्वेद में कहां से आया वेल्थ

बाजार में बहुत सी आयुर्वेदिक कम्पनी सक्रिय हैं, जिनके उत्पाद सिर्फ अपने सदस्यों को ही देती हैं। साथ ही उस पर इंसेंटिव भी देती हैं। इनको नेटवर्क से जोड़कर वे लोगों की ओसत आमदनी का ज़रिया बना रही हैं। यदि कोई इनसे जुड़ना चाहता है तो जुड़ भी सकता है। इसका लाभ यह होता है कि इससे किसी लाइलाज बीमारी का इलाज संभव हो जाता है साथ ही दुआएं भी मिलती हैं।

- ▶ एक साइट है फॉरएवरलिविंग.कॉम इस पर जाकर इनके प्रॉडक्ट को देखा जा सकता है और किसी के माध्यम से जुड़ सकते हैं।
- ▶ यह संस्था दावा करती है कि गठिया, दमा, हृदय रोग, पाचन समस्या, किडनी समस्या, मोटापा एवं त्वचा संबंधी रोग का निदान संभव है।
- ▶ नियमित खान-पान और निश्चित व्यायाम आपके शरीर को निरोगी बना सकता है, पर समय देना आपके ऊपर है। ऐसे में आपको निर्णय लेना है कि आप धन देकर सेहतमंद रहना चाहते हैं या नियमित दिनचर्या से।
- ▶ शरीर आपका है और आप ही इसकी रखवाले हैं तो निरोगी काया रहेगी तो माया तो कमा ही सकते हैं।

न दें अनुचित सुविधाएं

अक्सर लाड़-प्यार के चलते, कई माता-पिता अपने कम उम्र के बच्चों का ब्राइविंग लाइसेंस बनवा देते हैं और कई बार अपनी गन-रिवॉल्वर उनकी पहुंच के अन्दर रखते हैं। इस असावधानी के कारण आए दिन अनेक दुर्घटनाएं घटती हैं और हादसे के शिकार व्यक्तियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

- ▶ जब हम स्वयं के साथ शान्ति अनुभव नहीं करते तो हम मानसिक एवम् भावात्मक व्याधियों से ग्रस्त हो जाते हैं। आक्रामक एवं हिंसात्मक विचार हमारी सोच को नकारात्मक बना देते हैं तथा हमारा हृदय क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या से भर उठता है।
- ▶ टेलीविजन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बच्चों-वयस्कों के लिए आयोजित रियलिटी शो एवम् अनेक प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं अधिकांश प्रतियोगियों की मानसिकता को गलत तरीके से प्रभावित करती हैं।



हम और हमारा स्वास्थ्य

आज वक्त की मांग है कि हम अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखें।

- ▶ स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार एवं स्वस्थ बुद्धि का मूर्त रूप ही आरोग्य है। दरअसल, आरोग्य वह अवस्था है, जिसमें हम प्रकृति एवं वातावरण से सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।

- ▶ हम वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ होते हैं, जब हम स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करते हैं।

जीवनशैली बदलाव कर इलाज का खर्चा बचाएं

अपनी वर्तमान जीवनशैली में उचित बदलाव लाकर हम अपनी दवाइयों का खर्चा कम कर सकते हैं। केवल उचित खान-पान ही नहीं, वरन उचित विचार एवं उचित आचरण द्वारा ही हम निरोग हो सकते हैं।

- ▶ माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों को सही आहार और साफ-सफाई से रहने के साथ-साथ एक अच्छे इंसान बनने की भी शिक्षा देनी चाहिए।

स्वस्थ मां की स्वस्थ संतान

किसी भी देश का स्वास्थ्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है और केवल स्वस्थ मां ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, परन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है कि अधिकांश भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को वरीरता नहीं दी जाती है।

- ▶ पत्नी एवं माता की परम्परागत भूमिका में स्त्री का कर्तव्य परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करना है, न कि स्वयं अपना भारतीय समाज आज के युग में भी लिंग के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित करने में विश्वास रखता है।
- ▶ लड़कों को आचिारी और उग्रवादी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा लड़कियों को शमीला और सहनशील बनाने का प्रयास होता है। आगे चल कर यही असमानता अपने रंग दिखाना शुरू कर देती है।
- ▶ महिलाओं को जीवन पर्यंत भिन्न प्रकार के तिरस्कारों का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे वो लिंग आधारित भ्रूण हत्या हो या देहज न लाने के नाम पर जलाया जाना हो अथवा बलात्कार का शिकार होना हो। जो देश महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानता, वह वास्तव में एक रोगी देश है।



विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.)

मानव स्वास्थ्य पर शहरीकरण के प्रभावों को विशिष्ट रूप से दर्शाते हुए शहरों को एक बेहतर रहने लायक जगह बनाने पर जोर देता है।

स्वास्थ्य का रखें ख्याल

- ▶ रुपयों की इस अंधी दौड़ में भाग कर हम अपने मानसिक एवम् शारीरिक स्वास्थ्य का सत्यानाश कर रहे हैं। अपनी प्रतिभा का विकास करना अच्छी बात है, परन्तु केवल पैसे कमाने के उद्देश्य से नहीं, हम केवल निर्मल आनंद के लिए अपनी नृत्य, गायन, खेलकूद की रुचियों को विकसित क्यों नहीं करते? आधुनिक युग की चूहा दौड़ हमें एक स्वस्थ इंसान से एक बीमार पशु बना रही है।
- ▶ हाल ही में सिंगापुर में हुए एक स्वास्थ्य सेवा सम्मलेन में विशेषज्ञों ने माना कि एशिया की स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक जीवनशैली की व्याधियों के बोझ तले दबी जा रही हैं।
- ▶ स्वाइन-बर्ड फ्लू और तपेदिक जैसे संक्रामक रोगों के साथ-साथ आर्थिक सम्पन्नता से जुड़ी हुई असंक्रामक



बीमारियों का भार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।

- ▶ तम्बाकू एवम् धूम्रपान का व्यसन भी भारत समेत अन्य देशों में लाखों लोगों की सेहत पर सवालिया निशान लगा रहा है।

- ▶ सिगरेट एवं गुटखा निर्माताओं की आक्रामक विज्ञापन तकनीक के आगे, सारे तम्बाकू विरोधी अभियान असफल सिद्ध होते प्रतीत हो रहे हैं। ये कम्पनियां मर्दानगी, आधुनिकता और तनाव-मुक्ति के नाम पर जनता को विष बेच रही हैं और इनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।
- ▶ तम्बाकू सेवन का सीधा सम्बन्ध श्वास एवं फेफड़े की बीमारियों से है। जैसे कि अस्थमा, तपेदिक आदि। क्या ही अच्छा होता यदि हम तम्बाकूयुक्त पानमसाला चबाने के स्थान पर लौंग, इलाइची या सौंफ जैसी गुणकारी वस्तुओं का सेवन करने की बुद्धि रखते।

टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा

समाज में ऐसे सुधार लाने की आवश्यकता है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं न केवल टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा दें, वरन जन मानस को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा भी प्रदान करें। यदि हमारे मन में शान्ति, प्रेम, अहिंसा के भाव होंगे तथा हम अमीरी के भड़कीले दिखावे से दूर रहेंगे, तो वास्तव में हमारा जीवन रोगमुक्त हो सकेगा। स्वस्थ रहने के लिए प्रसन्न रहना आवश्यक है और प्रसन्नता तभी मिलेगी, जब हम द्वेष के स्थान पर आनंद बांटे, तभी गांव-गांव और शहर-शहर में एक स्वस्थ और खुशहाल वातावरण बन पाएगा।

खुशियों का खजाना आपके ही पास है

आइए इस बात को थोड़ा और आसान ढंग से समझते हैं। याद कीजिए कि पिछली बार कब आपने अपने शरीर और आत्मचेतना को तनावमुक्त और गैर बोझिल महसूस किया था। उस मनोदशा की विशिष्ट ऊर्जा ने आपको अपने काम में अच्छा प्रदर्शन करने, लोगों के साथ गहराई से जुड़ने, काम में खुलकर रचनात्मकता की अभिव्यक्ति करने, रंगते हुए ट्रैफिक में मुस्कुराने, जाम के खुलने का मुस्कुराते हुए इंतजार करने और घर लौटकर परिवार के साथ प्यार के पलों को बांटने के लिए प्रेरित किया होगा। कल्पना कीजिए इसी खुशी की फसल अगर आप हर दिन काट सकें, तो कितना अच्छा हो?

अगर आप अपना ध्यान पूरी तरह से केन्द्रित करें, तो सच्ची प्रसन्नता को हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

निश्चित तरीका नहीं

यह सच है कि खुशी पाने का कोई एक निश्चित तरीका या फार्मूला नहीं है। इसलिए वही तरीका या ढंग अपनाएं, जो आपके लिए उपयुक्त हो। इस संदर्भ में आपको अपने ही अंदर खुशी का खजाना खोजने का दृढ़ संकल्प लेना होगा। आपको कुछ ऐसी आदतों को अपनाना होगा, जिनका पालन शताब्दियों से प्रबुद्ध लोग करते आए हैं। इन प्रबुद्धजनों की बातों को न्यूरो-साइंटिफिक रिसर्च में भी सही पाया गया है।

ध्यान लगाएं

खुश और शांत रहने के लिए मेडिटेशन से अधिक कोई भी अन्य तरीका काम नहीं करेगा। आंखें बंदकर अपना पूरा ध्यान सांस पर केन्द्रित करें। कल्पना कीजिए कि आप अपने शरीर-रूपी मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। शांति की भावना को महसूस करें। प्रारंभ में इस विधि को पांच मिनट तक करें और अभ्यास होने के साथ ही समय बढ़ाती जाएं। मेडिटेशन के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां कोई आपको बाधा न पहुंचाए।

माफ करें और भूलना सीखें

सकारात्मक सोच और दूसरों को माफ करने के जज्बे पर भरोसा रखें। क्रोध, ईर्ष्या और जलन जैसे नकारात्मक विचारों से स्वयं को मुक्त रखें, वयोंकि ऐसे विचार हमारे सुख व शांति के अहसास को छीन लेते हैं। दूसरे को माफ करना खुशियां पाने का सशक्त माध्यम है।



जल गंगा संवर्धन, एक पेड़ माँ के नाम रोपित किये पौधे, जिला स्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न



नीमच 24 जून । जल गंगा संवर्धन अभियान, पर्यावरण संरक्षण हेतु एक पेड़ माँ के नाम अंतर्गत जिला पंचायत परिसर में स्थित बगीचे में जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक शिव प्रसाद मालवीय, जिला समन्वयक वीरेन्द्र सिंह ठाकुर, जिला समन्वयक पंचायत प्रकोष्ठ सुशील दौरया, विकासखण्ड समन्वयक महेन्द्रपाल सिंह भाटी, श्रीमती अर्चन भट्ट एवं नवांकुर

संस्था नीमच सुरेश लोक शिक्षण समिति के राजेन्द्र सिंह चौहान एवं विभागीय कर्मचारियों की उपस्थिति में पौधों का रोपण किया गया एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु आमजन को जागरूक करने के लिए मार्गदर्शन दिया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान, नवांकुर योजना, प्रस्फुटन योजना, सीएससीएलडीपी पाठ्यक्रम सहित विभिन्न विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक जिला कार्यालय में आयोजित

की गयी जिसमें मालवीय ने समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिये गये एवं जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किये गये कार्यों की प्रसंशा की साथ ही विभिन्न विभागों के साथ उनकी योजनाओं में कार्य करने के लिए स्थानीय स्तर पर एमओयू संपादित करने, नवांकुर संस्थाओं की निरंतर मॉनिटरिंग एवं प्रस्फुटन समितियों के माध्यम से जन विकास के कार्यों के लिए मार्गदर्शन दिया ।

गोमाबाई नेत्रालय में सात वर्षीय बालिका को प्रोस्थेटिक आई (नकली आँख) लगाई गई

महज दो वर्ष की उम्र में लगी चोंट से एक आंख क्षतिग्रस्त हो गई थी

नीमच 25 जून (नप्र) । मंदसौर जिला क्षेत्र के निवासी सात वर्षीय बालिका अक्षिता भील की पांच वर्ष पूर्व चोंट से क्षतिग्रस्त एक आंख का प्रदेश के अग्रणी नेत्र चिकित्सालय गोमाबाई नेत्रालय में कृत्रिम आँख लगाई गई। बालिका अब पूर्णतः सहज और प्रसन्न हैं। नेत्रालय प्रबन्धन द्वारा जारी प्रेस विज्ञापित के अनुसार, सात वर्षीय अक्षिता भील को पांच साल पहले वर्ष 2020 में खेलते हुए लकड़ी से गम्भीर चोट लगने से सीधी आंख पूरी तरह फट गई और दृष्टि नष्ट हो गई थी। इससे चेहरे का स्वरूप भी बिगड़ा और बालिका के माता पिता इस स्थिति को लेकर सालों से

बहुत असहजता भी महसूस कर रहे थे। कुछ समय पूर्व गोमाबाई नेत्रालय नीमच के बारे में जानकारी मिलने पर उनके परिजन नेत्रालय लेकर आये थे। नेत्रालय से सम्बद्ध प्रोस्थेटिक विशेषज्ञ चिकित्सक ने उनके नेत्र का सूक्ष्म परीक्षण कर कहा कि क्षतिग्रस्त आंख की रोशनी लौटना तो संभव नहीं है लेकिन प्रोस्थेटिक आई (नकली आँख) प्रत्यारोपित कर आँख का स्वरूप

स्वाभाविक किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नकली आँख बच्चे और बुजुर्ग में किसी भी उम्र में लगाई जा सकती है और इसकी प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित हैं।

परिवार और रोगी की सहमति के बाद संस्थान में बहुत ही संवधानी और नियुणता करते हुए वहां प्रोस्थेटिक आई (नकली आँख) प्रत्यारोपित की गई है। यह प्रत्यारोपित आँख बिल्कुल

जिले में अब तक औसत 147.8 मि.मी. वर्षा दर्ज

नीमच 24 जून (निप्र)। जिले में चालू वर्षाकाल में अब तक औसत 147.8 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इस अवधि में औसत 53.1 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई थी। अधीक्षक भू अभिलेख नीमच से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में एक जून से इस वर्ष अब तक नीमच में 127.6 मि.मी., जावद में 175.0 मि.मी., सिंगोली में 163.9 मि.मी. एवं मनासा में 1.25 मि.मी.

प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान शिविरों में 75 आवेदन प्राप्त

नीमच 24 जून (निप्र)। प्रधानमंत्री धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान अन्तर्गत जिले में चिन्हित जनजातीय बाहुल्य 17 ग्रामों में आज 25 जून 2025 को ग्यारहवें दिन में आयोजित शिविरों में सिकल सेल एनिमिया, टी-बी-जांच, आयुष्मान कार्ड एवं स्वास्थ्य

वर्षा दर्ज की गई हैं। जबकि गत वर्ष इस अवधि में नीमच में 19 मि.मी.जावद में 77.5 मि.मी. एवं मनासा में 63 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई हैं। जिले में 24 जून 2025 को प्रातः 8 बजे तक पिछले 24 घंटे में औसत 6.3 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई हैं। पिछले 24 घंटे में नीमच में 5.0., जावद में 8.0, मनासा में 7.0 एवं सिंगोली में 5.2 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई हैं।

शिविर में हितग्राहीयों को लाभान्वित किया जावेगा। जिले के चयनित 17 ग्रामों में आयोजित शिविरों में मंगलवार को 197 ग्रामीणजन उपस्थित हुए। जिनमें से कृषि विभाग कि योजनाओं में 74 आवेदन पत्र तथा उद्यानिकि विभाग की योजनाओं में 9 आवेदन एवं अन्य योजनाओं में 65 आवेदन पत्र प्राप्त हुए, जिनका निराकरण किया जा रहा है।

तुंबा आंगनवाड़ी शाला भवन में चोरी का प्रयास दिवाल में सुराख किया

अठाना। समीपवर्ती ग्राम पंचायत तुंबा मुख्यालय के समीप स्थित शासकीय स्कूल भवन में संचालित आंगनवाड़ी केन्द्र पर अज्ञात बदमाशों द्वारा चोरी का प्रयास किया गया। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उमादेवी धाकड़ ने बताया है कि गत 23 एवं 24 जून की रात्रि में अज्ञात बदमाशों द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र में चोरी का प्रयास किया गया। बदमाशों द्वारा अपने साथ लाए लोहे के सरियों से आंगनवाड़ी केंद्र भवन की दीवाल जो मुख्य गेट की कुंडी खोलने के उद्देश्य से दिवाल में सुराग कर सांकल कुंडी खोलने का प्रयास कर रहे थे कि अचानक किसी के आने-जाने की भनक

कलेक्टर ने की जनसुनवाई, 106 आवेदकों की सुनी समस्याएं, दिए कार्रवाई के निर्देश



नीमच 24 जून (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 106 आवेदकों की सुनी समस्याएं और उनका निराकरण करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए। इस अवसर अपर कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड़, एसडीएम संजीव साहू, संयुक्त कलेक्टर राजेश शाह, डॉ.ममता खेंडे, डिप्टी कलेक्टर्स डॉ.रश्मि श्रीवास्तव, सुश्री मयूरी जोक, सुश्री किरण आंजना सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में ग्वालटोली

की रूपाबाई, धनेरियाकलां के विष्णु नायक, राजु, कनावटी की शक्कीबाई, धारडी की कृष्णादेवी, सुंदर डागर, नीमच सिटी के अंशुमानसिंह, कंजोड़ा गरवाड़ा की कमलाबाई, शास्त्री नगर भीलवाड़ा के अब्दुल सलाम, मालखेड़ा के गिरधारी बंजारा, थड़ोली के रामलाल तेली, कंजोडा के दीपक पटवा, भदाना की नीलु मेघवाल, खातीखेड़ा के सुखलाल ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया। इसी तरह झालरी के सुरेश गुर्जर, जमालपुरा के असलम बंग, खजुरिया के रामचंद्र, साल्याखेड़ी

के आजादसिंह, आलोरी गरवाड़ा के किशनलाल चारण, जीनर के देवीलाल, चल्दू की गडूबाई, पालसोड़ा के घनश्याम, पिपिलिया नाथावत के चतरसिंह, तुफानसिंह, केशरसिंह, तारापुर की सकीला बाबु, इंद्रा नगर सावन की पाकीबा, खेड़ा राठौर जावद के देवीलाल, मनासा के कन्हैया नाथ, जगैपुर मीणा के बदीलाल आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए। जिस पर कलेक्टर ने कार्यवाही करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

हर गांव की स्वच्छता, हर नागरिक की साझा जिम्मेदारी



नीमच 24 जून (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर स्वच्छता सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 से संबंधित गतिविधियों हेतु दिवस वार गतिविधियां का कैलेंडर तैयार कराया गया है। इसी परिपेक्ष में मंगलवार को सभी ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत भवन में विभिन्न विभागों के मैदानी अमले

की संयुक्त बैठक आयोजित कर स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण संबंधी ग्राम स्तर पर किए जाने वाली कार्यों की चर्चा की गई। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) हमारे गांवों को स्वच्छता और स्वस्थ बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। सभी ग्रामीणजन को 'स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण (SSG)' 2025 में भागीदार बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

आंगनवाड़ियों में रिक्त पदों के लिए 4 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित

नीमच 24 जून (निप्र)। परियोजना नीमच शहरी के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई हैं। परियोजना नीमच शहरी अंतर्गत एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं 6 सहायिकाओं के पद रिक्त हैं। इन पदों के लिए आवेदन एमपी ऑनलाइन के चयन पोर्टल माध्यम से किए जाएंगे। आवेदन करने की अंतिम तिथि 4 जुलाई 2025 है। ऑनलाइन आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि 7 जुलाई 2025 है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच द्वारा पैरालीगल वॉलंटियर्स हेतु आवेदन आमंत्रित

नीमच 24 जून (निप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच द्वारा आमजन हेतु पैरालीगल वॉलंटियर्स (PLVs) की भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। चयनित पैरा लोगल वॉलंटियर्स का कार्यकाल एक वर्ष का होगा। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच श्रीमती शोभना मीणा ने बताया, कि यह सेवा पूर्णतः निःस्वार्थ एवं सामाजिक सेवा पर आधारित है, अतः इसके लिए कोई वेतन देय नहीं है। पात्रता:किसी भी आयु एवं वर्ग

के व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते वे शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ हों, आवेदक किसी आपराधिक प्रकरण में संलिप्त न हो, 12वीं कक्षा उत्तीर्ण आवेदकों को प्राथमिकता प्रदान की जाएगी। प्राथमिकता प्राप्त समूह:विधि के छात्र (जो अधिवक्ता के रूप में नामांकित न हों) शिक्षक (सेवानिवृत्त शिक्षक भी सम्मिलित)सेवानिवृत्त सरकारी सेवक एवं वरिष्ठ नागरिक एमएसडब्ल्यू (MSW) छात्र एवं शिक्षक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता

चिकित्सक एनजीओ, क्लब, महिला समूह, मैत्री समूह एवं स्वयं सहायता समूह के सक्रिय सदस्य को प्राथमिकता दी जावेगा। आवेदन प्रक्रिया: आवेदन पत्र कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच एवं जिला न्यायालय परिसर, नीमच के नोटिस बोर्ड पर उपलब्ध हैं।आवेदन पत्र को पूर्ण रूप से भरकर उसमें एक पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार कार्ड की प्रति संलग्न करें। आवेदन पत्र 15 जुलाई 2025, शाम 5:00 बजे तक व्यक्तिगत रूप से अथवा

डाक द्वारा कार्यालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच (म.प्र.) को प्रेषित कर सकते हैं। चयन प्रक्रिया: पात्र आवेदकों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से दिनांक 12 अगस्त 2025, प्रातः 11:00 बजे, नवीन जिला न्यायालय भवन, नीमच में किया जाएगा। साक्षात्कार हेतु पृथक से कोई सूचना नहीं दी जाएगी। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच में कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।

किसानों को बोवनी कार्य में बाधा डालने वाले के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही करें- चंद्रा

नीमच 24 जून (निप्र)। जिले में खरीफ बोवनी का कार्य प्रारंभ हो गया है। किसानों को बोवनी नहीं करने देने, रास्ता रोकने, रास्ता विवादों और अवैध कब्जे कर बोवनी कार्य में बाधा डालने संबंधी प्रकरणों में सभी एसडीएम एवं तहसीलदार दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही करें। जिससे, कि कोई भी किसी को बोवनी कार्य करने में बाधक ना बन सकें। यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की बैठक में सभी राजस्व अधिकारियों को दिए।

बैठक में कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए, कि क्षेत्रों में बोवनी से रोकने और खेतों पर जाने के रास्ते अवरूद्ध करने तथा अवैध कब्जे से संबंधित विवादों पर त्वरित कार्यवाही की जाए और दोषी व्यक्ति के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्यवाही की जाए। बैठक में कलेक्टर ने



राजस्व संबंधी आवेदनों के त्वरित निराकरण के लिए पंचायत स्तर पर पटवारियों के माध्यम से सप्ताह में दो दिन जनसुनवाई करवाने तथा रास्ता विवादों, अवैध कब्जे से संबंधित शिकायतों का मौके पर ही निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने सभी नगरीय निकायों, पंचायतों को निर्देश दिए, कि जिन नदी, नालों की सफाई नहीं हुई है, तो तीन दिन में प्राथमिकता से सफाई का

कार्य करवा लें, जिससे कि बाढ़ व निचली बस्तियों, पुल, पुलियाओं में जल भराव की संभावना ना रहे। एसडीएम भी सीएमओ के साथ समन्वय कर नदी, नालों की साफ-सफाई का कार्य प्राथमिकता से सुनिश्चित करवाए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम, तहसीलदारों और सीएमओ को मौके पर जाकर, नदी, नालों की साफ-सफाई का कार्य सुनिश्चित करवाने के निर्देश दिए।

राजस्व अधिकारी-स्वयं प्राप्त करें राजस्व रिकार्ड - कलेक्टर ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों, तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों को निर्देश दिए, कि यदि किसी प्रकरण में उन्हें पुराने राजस्व रिकार्ड की आवश्यकता है, तो वे स्वयं अभिलेखागार से रिकार्ड प्राप्त करें। पुराने रिकार्ड प्रस्तुत करने के लिए किसी भी आवेदक या पक्षकार को बाध्य ना करें।

अवैध मत्स्याखेट पर सख्ती से रोके - कलेक्टर चंद्रा ने 15 जून से 15 अगस्त तक की अवधि में जिले के जलाशयों में मत्स्य प्रजननकाल के दौरान मत्स्याखेट पर सख्ती से रोकने के निर्देश देते हुए कहा, कि सभी तहसीलदार, मत्स्याखेट, मत्स्य परिवहन को सख्ती से प्रतिबंधित करें।

साथ ही पट्टेधारियों को भी आवंटित मत्स्य पालन पट्टे की जल संरचना को सुरक्षित करने, संरक्षित करने के लिए पाबंद करने के निर्देश सहायक संचालक मत्स्य पालन नीमच को दिए, जिससे कि अवैध मत्स्याखेट ना हो सके। ट्रांसफार्मर से लगी गुमटियां, ठेले दुकानें हटवाएं - बैठक में कलेक्टर चंद्रा ने नीमच, न.पा. सीएमओ, सभी सीएमओ तथा म.प्र.प.क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री को निर्देश दिए, कि वे यह सुनिश्चित करें, कि किसी भी ट्रांसफार्मर, विद्युत पोल से सटकर कोई दुकान, हाथ ठेला या गुमटी ना लगी हो, यदि कहीं ऐसा है, तो संबंधितों को नोटिस जारी कर, ऐसी गुमटी, हाथठेला या दुकान को वहाँ से तत्काल हटवाए। जिससे, कि वर्षाकाल में दुर्घटना की कोई संभावना ना रहे। कलेक्टर ने सीएमओ नीमच को ट्रांसफार्मर से लगी दुकानें, गुमटियां प्राथमिकता से हटाने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेंडे, राजेश शाह, एसडीएम पवन बारिया, संजीव साहू, सुश्री प्रीती संघवी, सभी डिप्टी कलेक्टर्स एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

पेज नं. 1 का शेष... प्रदेश में पहली बार एआई....

डैशबोर्ड के माध्यम के प्रत्येक जिले में क्या-क्या कार्य हो रहे हैं उसकी राशि कितनी है। यह सब आसानी से https://dashboard.nregsnp.org/report_jsm देखा जा सकता है। साथ ही कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रत्येक सप्ताह की प्रगति रिपोर्ट भी कलेक्टर को उपलब्ध कराई जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान के लिए बनाए गए डैशबोर्ड को नियमित 1 लाख 27 हजार से अधिक लोग

देख भी रहे हैं।

30 मार्च से शुरू हुआ था जल गंगा संवर्धन अभियान - प्रदेश में बारिश के पानी का संचयन करने और पुराने खेत स्त्रोतों को नया जीवन देने के लिए 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान का शुरुआत हुई थी। इसका समापन 30 जून को खंडवा में होगा। 90 दिन तक चलने वाले इस अभियान का शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन से की थी।

82 हजार 310 खेत तालाब,

1 हजार 283 अमृत सरोवर, 1 लाख 3 हजार कुओं में बनाया जा रहा रिचार्ज पिट - प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में 77 हजार 940 खेत तालाब, 1 लाख 3 हजार 900 डगवेल रिचार्ज और 992 अमृत सरोवर बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया था। इसे सफल में रहते पूरा कर लिया गया है। प्रदेश में 21 जून की स्थिति में 82 हजार 310 खेत तालाब, 1 हजार 283 अमृत सरोवर और 1 लाख 3 हजार कुओं में रिचार्ज पिट (डगवेल रिचार्ज विधि) बनाने का काम चल रहा है।

इसके अलावा 19 हजार 949 पुराने कार्य भी पूरे किए गए हैं। जबकि, जल गंगा संवर्धन अभियान को पूरा होने में एक सप्ताह का समय शेष है। यह सभी कार्य मनरेगा योजना से कराए जा रहे हैं, जिसमें 2334 करोड़ रुपये खर्च की जा रही है।

2 लाख 30 हजार से अधिक जल दूतों ने कराया पंजीयन - प्रदेश में जल संरक्षण के प्रति अधिक से अधिक लोग जागरूक हों, इसके लिए प्रदेश सरकार द्वारा 1 लाख 62 हजार 400 जल दूत बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया।